- प्रस्तावित वक्तागण -

श्रीमती इंदिरा मिश्रा

डॉ. जयलक्ष्मी ठाकुर

डॉ. दर्शनीता बोरा अहलुवालिया

डॉ. किरणमयी नायक

डॉ. राजश्री वैष्णव

डॉ. आभा रुपेन्द्र पाल

डॉ. अनुपमा सक्सेना

श्रीमती विजया पाठक

डॉ. रीता वेणु गोपाल

डॉ. रश्मि शर्मा

- बिलासपुर शहर एक परिचय -

बिलासपुर छ.ग. राज्य के 27 जिलों में से एक है। बिलासपुर राज्य की राजधानी रायपुर से लगभग 111 कि.मी. उत्तर में स्थित है। यह राज्य की न्यायधानी एवं प्रशासनिक दृष्टि से राज्य का दूसरा प्रमुख शहर है। बिलासपुर कृषि के क्षेत्र में चावल की विशेष किस्म (दुबराज, विष्णुभोग) आदि के लिये प्रसिद्ध है। यहाँ के हाथकरघा उद्योग से बनी कोसे की साड़ियाँ प्रसिद्ध हैं। यहाँ की स्थानीय संस्कृति में सुआनृत्य, भोजली, राउत नाचा, पोला इत्यादि प्रमुख रुप से मनाए जाते हैं। अर्थव्यवस्था की दृष्टि से ऊर्जा के क्षेत्र में बिलासपुर संभाग का देश मे एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। इसके आसपास के क्षेत्रों में कई विद्युत गृहों में लगभग 10,000 से 15,000 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है। पर्यटन के दृष्टिकोण से यहाँ शहर में अनेक स्थल हैं जिसमें विवेकानंद उद्यान, ऊर्जा पार्क, स्मृति वन, यातायात पार्क, बिलासा-ताल इत्यादि है। शहर के निकटतम दर्शनीय स्थल रतनपुर महामाया मंदिर, मल्हार, अमरकंटक, कानन पेण्डारी (मिनी जू), तालागाँव और चैतुरगढ़ प्रसिद्ध हैं।

शिक्षा की दृष्टि से बिलासपुर में राज्य के चार प्रमुख विश्वविद्यालय हैं इसके अतिरिक्त इंजी., चिकित्सा एवं कृषि महाविद्यालय स्थित हैं।

- मुख्य संरक्षक -

प्रो. बंश गोपाल सिंह
माननीय कुलपति
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

- संरक्षक -

डॉ. इंदु अनंत
कुलसचिव
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

- संयोजक -

डॉ. बीना सिंह
drbeenasingh2013@gmail.com
Mob. +91 8839017319

- सह संयोजक -

डॉ. अनिता सिंह
31anitasingh@gmail.com
Mob. +91 9827118808

- आयोजन सचिव -

डॉ. प्रीतिरानी मिश्रा
preemishra07@gmail.com
Mob. +91 7017128494

- आयोजन समिति के सदस्य -

डॉ. बी.एल. गोयल
डॉ. प्रकृति जेम्स
डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति
श्री संजीव लवानियॉ
श्री रेशमलाल प्रधान
डॉ. एस.रुपेन्द्र राव
डॉ. पुष्कर दुबे
डॉ. मोरध्वज त्रिपाठी
डॉ. निलिमा तिवारी
डॉ. तनुजा बिरथरे

- बिलासपुर आगमन -

बिलासपुर आगमन : बिलासपुर ट्रेन मार्ग से देश के सभी शहरों से जुड़ा है। यह हावड़ा-मुम्बई मुख्य मार्ग पर स्थित है। हवाई मार्ग हेतु नजदीक एयरपोर्ट रायपुर 130 किलोमीटर दूर है।

दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

31 जनवरी से 01 फरवरी, 2020

विषय

महिलाओं की वर्तमान दशा तथा महिला सशक्तिकरण के समक्ष चुनौतियाँ

प्रति,

.....

.....

.....

आयोजक

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

www.pssou.ac.in
nationalseminarwe2020@gmail.com

- विश्वविद्यालय के संदर्भ में -

मानव जीवन के सर्वांगीण विकास में शिक्षा की भूमिका अपरिहार्य है। मनुष्य के जीवन में आने वाली बाधाऐं, उसकी शैक्षिक पिपासा को सीमित न कर सके एवं मनुष्य की शैक्षिक उन्नति सदैव बनी रहे इस उद्देश्य को पूरा करने हेतु मुक्त विश्वविद्यालय में प्रचलित शिक्षा-पद्धति की महती भूमिका है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्थित पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, भारत का 11वाँ राज्य मुक्त विश्वविद्यालय है इसकी स्थापना छत्तीसगढ़ शासन अधिनियम क्रमांक 26 सन् 2004 द्वारा की गयी है। यह अधिनियम 20 जनवरी 2005 में लागू हुआ। विश्वविद्यालय का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी, साहित्यकार, समाज सुधारक एवं छत्तीसगढ़ के गाँधी के रुप में विख्यात पण्डित सुन्दरलाल शर्मा जी की स्मृति को आलोकित कर रहा है।

विश्वविद्यालय 'स्वाध्यायः परम् तपः' के ध्येय वाक्य के साथ 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' मूल वाक्य को चरितार्थ करते हुए छात्र हित एवं विकास की ओर निरन्तर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय के अन्तर्गत 07 क्षेत्रीय तथा एक उप क्षेत्रीय केन्द्र एवं 120 अध्ययन-केन्द्र संचालित हैं। विश्वविद्यालय मुख्यालय परिसर बिलासपुर लगभग 69 एकड़ में फैला हुआ है।

- संगोष्ठी के विषय में -

अखबार की सुर्खियों में प्रतिदिन नाबालिक लड़कियों एवं महिलाओं से हुई छेड़खानी व रेप की संख्या में निरंतर होती वृद्धि, महिलाओं के प्रति पुरुष वर्ग के नजरिया एवं महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह लगता है। इक्कीसवीं सदी में भी नारी सशक्तिकरण, आधी आबादी को बराबर का हक जैसे शब्दों की वास्तवीकता है या ये केवल मंच पर होने वाले भाषण तक सीमित हैं। इसकी समीक्षा आवश्यक प्रतीत होती है।

सदैव से दोयम दर्जा प्राप्त करने वाली स्त्री कभी परंपरा, कभी पारिवारिक दबाव, कभी संस्कृति को बनाए रखने के नाम पर बेड़ियों में जकड़ी गई, बाल-विवाह, सती-प्रथा, दहेज-प्रथा, पर्दा-प्रथा इसके उदाहरण हैं। वर्तमान समय वैश्वीकरण का है यहाँ भी स्त्री को एक भोग्या के रुप में प्रचार एवं मनोरंजन के नाम पर प्रर्दशित किया जा रहा है। आज भी यदि एक लड़की पढ़ने के नाम पर घर से बाहर जाती है, तो माता-पिता उसके घर पर वापस सही सलामत लौटने तक का बेचैन अवस्था में रहते है। आखिर ऐसा क्यों?

उच्च पदों पर पदस्थ महिलाओं को भी सहकर्मी पुरुष वर्ग स्वयं को उनसे श्रेष्ठ समझते हैं, अधिनस्थ कर्मचारी भी उन्हें अधिकारी के रुप में सहज रुप से स्वीकार नहीं कर पाते।

धीरे-धीरे अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों के प्रति सचेत होती स्त्री पारिवारिक और सामाजिक चुनौतियों को स्वीकारते हुए उसका जवाब देते हुए सशक्तिकरण के तरफ कदम बढ़ा रहीं हैं। शायद मंजिल अभी दूर है, रास्ता लम्बा है, किंतु दृढ़ता और विश्वास के साथ निरंतर आगे बढ़ते कदमों को एक दिन मंजिल अवश्य मिलेगी।

शासन द्वारा उठाये कदम ने भारत के महिलाओं के सशक्तिकरण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उदाहरण स्वरुप समान वेतन का अधिकार, दहेज विरोधी कानून, कार्यस्थल मे उत्पीड़न के खिलाफ कानून, कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ अधिकार, पैतृक सम्पत्ति पर समान अधिकार इत्यादि। इन प्राप्त अधिकारों के साथ भारतीय महिलाएँ अपने को स्वंतत्र एवं सक्षम महसूस करते हुए विकास की ओर अग्रसर हैं। चिकित्सा, यांत्रिकी, शिक्षा, राजनीतिक, वकालत, बैंकिग, मिडिया, मनोरंजन, मजदूरी इत्यादि सभी कार्यो से जुड़ कर महिलाएँ सशक्त हो रही हैं और सभी कार्य को कुशलतापूर्वक करके स्वयं को सिद्ध करने में प्रयासरत् हैं।

सरकार द्वारा प्राप्त सुविधा एवं संरक्षण प्रथा लगातार इस विषय पर विभिन्न कार्यक्रम एवं शोध कार्य इत्यादि होने के बावजुद महिला उत्पीड़न रुक नहीं रहा है बल्कि प्रति वर्ष इसकी दर बढ़ रही है इसके बढ़ने का कारण तथा इसके रोकने का क्या उपाय हो सकता है इस संदर्भ में प्रायः में चर्चा बौद्धिक मंच पर होना तथा इसका समाधान खोजना अति आवश्यक है इसी संदर्भ में यह सेमीनार किया जा रहा है जिसमें विभिन्न पदों पर प्रतिष्ठित महिलाएँ वक्ता के रुप में आमंत्रित हैं तथा शोध पत्रों के माध्यम से भी सबके विचार आमंत्रित किए गए हैं जिससे हम सभी किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकें।

- संगोष्ठी का उप-विषय-

- महिला सशक्तिकरण में शिक्षा-जगत् की चुनौतियाँ।
- महिला सशक्तिकरण में संविधान एवं कानून की भूमिका।
- सशक्त या सफल महिलाओं की चुनौतियाँ।
- महिला सशक्तिकरण के अवरोध के रुप में परिवार एवं लिंगवाद।
- महिला सशक्तिकरण एवं भारतीय संस्कृति में महिलाओं की स्थिति में विरोधाभास
- महिला सशक्तिकरण, वैश्वीकरण उपभोक्तावाद एवं चुनौतियाँ।
- प्रशासन एवं राजनीति में महिलाओं की भूमिका।
- महिलाओं के विषय में रुढ़ियुक्तियाँ और इसका प्रभाव।
- कामकाजी महिलाओं की कार्यस्थल पर स्वीकार्यता।
- महिला उत्पीड़न, महिला उत्पीड़न में महिलाओं की भूमिका एवं मानवाधिकार।
- लैंगिक असमानता।
- महिलाओं के साथ हो रहे अपराध।

- विशेष -

टी.ए. / डी.ए. एवं आवास व्यवस्था : प्रतिभागी अपनी यात्रा व्यय की व्यवस्था अपनी संस्थानों से करेंगे तथापि राष्ट्रीय संगोष्ठी में उनके भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा की जायेगी। आवास व्यवस्था हेतु प्रतिभागियों को पूर्व में सूचित करना होगा जिससे कि उनके लिए शीघ्र सशुल्क आवास व्यवस्था सुनिश्चित हो सके, अन्यथा आवास व्यवस्था उन्हें स्वयं करनी होगी।

- शोध-आलेख सारांश हेतु निर्देश -

इच्छुक प्रतिभागियों से निवेदन है कि वे अपना आलेख सारांश (Abstract) अधिकतम 300 शब्दों में दिनाँक 23 जनवरी, 2020 तक nationalseminarwe2020@gmail.com पर भेजें।

शोध-आलेख सारांश एवं संपूर्ण शोध हेतु फॉन्ट साइज निम्नानुसार भेजें -

हिंदी हेतु	कृतिदेव 11	(Font Size-14)
अँग्रेज़ी हेतु	Times New Roman	(Font Size-12)

- शोध-आलेख सारांश उपरोक्त फॉन्ट के अलावा अन्य फॉन्ट में स्वीकार नहीं किए जाएँगे।
- आलेख सारांश भेजने की अंतिम तिथि : दिनाँक - 23 जनवरी, 2020
- संपूर्ण शोध भेजने की अंतिम तिथि : दिनाँक - 26 जनवरी, 2020

- पंजीयन-प्रक्रिया -

1. संगोष्ठी में सामान्य छात्र, शिक्षक, सामाजिक संस्थाएँ प्रतिभागी हो सकते हैं।
2. इच्छुक प्रतिभागी पंजीयन प्रपत्र, पंजीयन शुल्क के साथ दिनांक - 23 जनवरी, 2020 तक जमा करना अनिवार्य होगा।
3. पंजीयन शुल्क नगद जमा करने की सुविधा विश्वविद्यालय मुख्यालय के 'सिहावा अकादमिक भवन' में दिनांक - 27 जनवरी, 2020 तक उपलब्ध रहेगी।
4. स्थल पंजीयन शुल्क नगद जमा करने की सुविधा विश्वविद्यालय में आयोजन स्थल के पंजीयन काऊंटर में दिनांक - 31 जनवरी, 2020 को उपलब्ध रहेगी।
5. स्थल पंजीयन कराने वाले प्रतिभागीयों को पंजीयन-किट प्रदान नहीं किया जावेगा। उन्हें केवल प्रमाण-पत्र प्रदान किया जावेगा।
6. ऑनलाइन एवं चालान द्वारा शुल्क जमा करने हेतु बैंक ऑफ बड़ौदा : खाता का नाम - विभागाध्यक्ष शिक्षा, खाता क्र. 58100100001476 (IFSC - BARB0BIRKON में जमा कर सकते हैं।

पंजीयन शुल्क :

क्र.	पंजीयन शुल्क का विवरण	30 जनवरी तक	स्थल पंजीयन
1	प्राध्यापक गण / अन्य	600 / -	800 / -
2	विद्यार्थी / शोधार्थी	500 / -	600 / -

- पंजीयन-पपत्र -

नाम : .....

पदनाम : ..... लिंग : .....

संस्थागत पता : .....

.....

.....

मोबा. : .....

ई-मेल : .....

शोध-पत्र का शीर्षक : .....

क्या आपको आवास की आवश्यकता है? हाँ / नहीं : .....

भुगतान की कुल राशि (रु.में) : .....

भुगतान का माध्यम (नगद / डिमांड ड्राफ्ट / चालान).....

रसीद क्र. ..... ड्राफ्ट क्र. ..... चालान क्र. .....

बैंक का नाम : ..... दिनांक : .....

हस्ताक्षर .....

भरा हुआ पंजीयन प्रपत्र सशुल्क पंजीयनकर्ता के पास जमा करायें। यदि आवश्यक हो तो पंजीयन फॉर्म की छायाप्रति का उपयोग पंजीयन हेतु किया जा सकता है। प्रतिभागीगण संगोष्ठी में पंजीयन के लिए पंजीयन प्रपत्र एवं चालान प्रारुप वेबसाइट www.pssou.ac.in से भी डाउनलोड कर सकते हैं।